BORROW : I. To b. money, etc. : (1) ऋणं करोति (कृ, c. 8), *should eat ghee (even) by b. ing* ऋणं कृत्वा घृतं पिबेत्, D. s. ; (2) ऋणं गृह्णाति (ग्रह्, c. 9) *or* आदत्ते (दा, c. 3) ; (3) धारं करोति (?). II. To take from another : Ph. *this sentence is b. ed from Kālidāsa* *वचनमिदं कालिदासाद् गृहीतम्. III. Assume, imitate : q.v.

BORROWER : (1) ऋणकर्ता ; (2) ऋणग्रहीता ; (3) ऋणग्राही ; (4) खादकः.

BORROWING (subs.): (1) ऋणग्रहः, -णम्; (2) ऋणकरणम्.

BOSKY : v. Woody, bushy.

BOSOM (subs.) : I. The breast : (1) वक्षस् (n.), *pressed (him) to his bosom* निष्पिपेष परिरभ्य वक्षसा. Ki. xviii. 13 ; (2) उरस् (n.), *and beat her b.* उरो जघान च, Ku. iv. 26 ; (3) वक्षःस्थलम् ; (4) भुजान्तरम् (poet). II. Fig. : The heart : q.v. हृदयम्, *b. friend* हृदयङ्गमः सखा Ku. iv. 24. III. The interior : गर्भः, *the b. of the earth* भूगर्भः.

BOSOM (v.t.) : I. To take to heart : हृदि धारयति (धृ, c. 1) *or* निदधाति (धा, c. 3). II. To conceal : q.v.

BOSS : गण्डः (?) : v. Stud, knob.

BOTANIC, -AL : उद्भिद्विद्याविषयकः (का, कं) ; B. *garden* *उद्भिदुद्यानम्.

BOTANIST : *उद्भिद्विद् (mfn.) ; उद्भिद्विद्याविशारदः (दा, दं).

BOTANIZE : *परीक्षार्थं तरुलतादीन् गवेषयति (गवेष्, c. 10).

BOTANY : उद्भिद्विद्या ; तरुलतादिविषया विद्या.

BOTCH (subs.) : I. A blotch : q.v. II. A potch q.v. : कन्था. III. A clumsy performance : v. Clumsy and performance.

BOTCH (v.t.) : I. To potch : q.v. II. To do any thing clumsily : कौशलं विना *or* अपटु कार्यं करोति (?) : *you have b. ed this* त्वयेदं नष्टम् (?).

BOTCHER : अदक्षसूचिकः (?).

BOTH (adj.) : (1) उभौ (m. du.), उभे (f. n. du.), *b. of them bowing were not (distinctly) seen by b. (the mothers)* उभावुभाभ्यां प्रणतौ न दृष्टौ, R. xiv. 2. ; (2) उभयः (या, यं) (gen. in comp.) *on b. sides* उभयतः ; *in b. ways* उभयथा ; *in b. places* उभयत्र ; *b. days* उभयेद्युः ; (3) Often sim. by the dual : *b. the parents* पितरौ, R. i. 1. ; *with b. the hands* दोर्भ्याम्, Ku. iii. 76. ; (4) द्वयम् affixed, *to b. the seniors* गुरुद्वयाय, Si. ii. 6.

BOTH (conj.) : च......च, *where b. fate and cupid are assailants* यस्मिन् विधिश्च मदनश्च कृताभियोगः, Ma. i. ; *does b. good and bad* शुभश्चाशुभञ्च विदधाति, Ma. i. ; *b. to see the country and to learn its customs* *देशदर्शनायाचारव्यवहारपरिज्ञानाय च.

BOTHER (v.) : v. To tease, annoy.

BOTS : कृमिः.

BOTTLE (v.t.) : Ph. : *to b. wine from a cask* भाण्डान्मद्यं गृहीत्वा बोतलेषु, निवेशयति (c. of विश्) *or* बोतलान् पूरयति (पूर्, c. 10).

BOTTLE (subs.) : *बोतलः ; काचादिनिर्मितपात्रविशेषः.

BOTTOM (subs.) : I. The lowest part : (1) तल्लम्, *whose b. cannot be touched* अतलस्पर्शः (र्शा, र्शं) ; *who were sitting at the b. of the tree* तरुतलेऽवस्थितान्, H. ii. ; (2) अधोभागः ; (3) पादः (of a hill : v. Foot). II. Fig. : Ph. *one who has dived to the b. of Philosophy* दर्शनपारदर्शी ; *one who has gone to the b. of all shāstras* सकलशास्त्रपारङ्गमः, P. i. 10 ; *you should examine it to the b.* त्वयेदमामूलं परीक्षितव्यम् ; *you are at the b. of this mischief* त्वमस्यानर्थस्य मूलं *or* निदानम्. III. A valley : q v. ; निम्नभूमिः. IV. A ship : q.v. : पोतः. V. Stamina : q.v. VI. Dregs : q.v. : मलम्.

BOTTOM (v.t.) : I. To found or build upon : q.v. B. ed : v. Based. II. To furnish with a bottom : तलं विदधाति (धा, c. 3) (with gen.) (?).

BOTTOMLESS : (1) अगाधः (धा, धं) ; (2) अतलस्पर्श (र्शा, र्शं).

BOTTOMRY : पोतबन्धकः : v. Hypothecation.

BOUGH : (1) शाखा ; (2) विटपः (rare).

BOUGIE : मूत्रमार्गादिमलशोधनाय यन्त्रविशेषः ; *प्रवेशिका

BOULDER : गण्डशैलः (?), Ki. vii. 37.

BOULEVARD : राजपथः : v. Street.

BOUNCE : I. To spring : q.v. : आस्कन्दति (स्कन्द्, c. 1). II. To boast : q.v.

BOUNCING : v. Stout, strong.

BOUND (subs.) : I. A leap, spring : q.v.